DATE / / / AB
Origin and development of stage in different ages:
निर्मा आनुरक अन्न कन अश्वाय कित्र कित्र के स्वाय कित्र कित्
उतारिश्व अर्मण लिए किस
स्वित कालम स्वार ख्वा वर्म नार्ष आहिज्ज आहि स्वी क्या दिन मु अदे नार्ष का नार्ष का कि का कि क्या मा नार्यक खुणा कि ना व्यानम्बान स्थिति अदे विश्व कि श्वास्त्र क्या द्या का स्थाप के कि कि नार्ष माध्य के कि का नार्ष माध्य के कि का क
स्रिताम जातु प्राप्त प्राप्तिमा एया स्राप्ति अधिमानम विविधि काला सामु खावा छेला स्थान कार्यन एउ हिमा
न्ताक्रम जापि अनिअक्ल एउउँय उध्येल देन अधिल =
क्रिन (करिक जाक काक निर्मिष्ठ प्रोक्षि इंल । जानमि क्रमाव जारमण्यान जाक ।" य्रमाय एउव ७ एवण भ्रानिस
क्षि — रिवस्त अर्थे अअरे किला में क्षिक क्षिक
प्रम जाय गर्मा, एर्स्स जारिष्य मृद्ध रिट एउँ लि कि जारिष्य मित्र प्रमा कि जारिष्य कार्य कि जारिष्य कार्य कि जारिष्य कार्य कि जारिष्य कार्य कि जार्य कि जार
मावा क्षाविष्ठिल क्षेत्रहोल त्मिष्मा क्षित्र, मान्नत्, शक्री, मान्न , स्वार्थ, व्यक्ष, व्यक्ष
2022/11/22 12:44

महेन्द्रप्रमुखें दे वें रुल इ किल पितामह : 1 ब्रीडनीयकमिक्शमी दृश्यं अखां च यद्भवेत ॥ न वेद्वाव हारोप्यं संभावाः शुद्र नातिषु तसमात्मालापरं वेदं प्यमं सार्वविधिकम् ॥" कार्याह, "द्र मिलाअर ! जाति अलिक्स अहि कि की कि नी अक वाक्संट व्यामनासक विश्व देखा कहा मि अदम्बाह्म इनाड व्यक् अया । स्विति न्युक्त लाकव अन्भा वादिष्ठ सिरिठ किंद्रीयादिक दियम लाद्रीमंत्र क्राव्य स्थिताद्व । साविक किंच अभाग दिल अपि कर्वत भाव अपूर्व आविष्ट प्रांचेव वृति ए।विव क्रादि ्रिय्वाइतकत्व - वानू विवि अन्ति अभारो "अयमञ्ज " युनि कि एर्डा अकलक विपाम पिल । देमाव निष्ण त्रक्षारे-अभाव्ति क्रिक कार्विताक त्यावण कार्विश क्राक् मीक्ष अद्याल किव्ल — " अहे दीर्भ , जार्थ आक यभ आर्वन क्राक्षणमुक , आव्रुअमिक , आर्यहर्क अश्रेष कर्मत वार्यभाष किषाया , उत्तरक आद्भव अर्थन अर्थन अर्थन अर्थन अर्थन क्रिकाअभेक , पाली, पाशक , वित ब्राचा क्या क्या क्रिका 1, देव न्याद्रमय नवा क्रमा, आभवाय नवा न्रीक, राकुर्वमय नवा व्यक्तिमः - आक्र व्यापर् दियम् निया यस देल नाष्ट्रियम उर्मे किता (अर्थ असः १४७. , पातिआसि, १ त्थित जारि मि -"जगाह पाठ्यम्येदात्सामध्यी गीतमेव च । यजुर्वेद्वाद्विनयान् रसानाथर्वणाद्वि ॥ " नार्हेर्यि बह्ना कवि अअगर्व लाक छाहाव प्रमण्डामलय २०० जालीन कविद्वा । प्रमु कविल एम एयणप्रकल गिर्विपिन अभाविष्ठ जाराड अप्रशृहा "नाषुमा realme Shot on realline 035

"ग्रह्णे हारणे ज्ञाने प्रयोगे चास्य सत्तम । अशका भगवन्देवा अयोग्या नार्यकर्मणि ॥" कामार , दिन्वाडमकल अर्म, यीयम , क्वाम काष्ट्र प्रहामक मिर्दे ्यात्रे अभिधित वावि दिन्द्रियाक भिष्ये प्रधान प्रमाधित प्रधान कामक डिलामुक लाकायानक वक्षापित, कर्डारिम् , मिंद्राक्रिम, ति । स्थित अवासन अपियाकारित । अप्ट्रिक अभावे कर् काभव मार्भेष क्षिण भीष्य कामि कर्षे — त विभि अठ में के स्वाधिक स्थानितित कामम स्थिति कहा ॥, ाया महि समाय आका मार्च विष्ठ अभाय अध्यक प्रातितत अर्विषय काव 1904 अवित अवित्र व यथायाय नाहि भिक्का स्त्राम कार्याल । अर्थम्य नाहिर्यम विकार्य भारत त्याहर । खता त्रीयरिंग स्थिति रिंग व्याख्येत लाहाइ किय दिश्वा निकार के निवार का निवार के निवार के निवार के कार्विकान अधिगत्ते । अर्थकामा न्याय पाद नक्ष्येशाय अन्यात क्षाचाक द्रामाई त्रीश्व लाक्षवास्त्रक्षक अपितिव न्यवित करिया । क्यान अस भावम ভোমকা ত OND of अभिली क्रीय आभेक - यहंग्रिक स्प्रिय क्रियार्थ क्रियार्थ क्षान्डल । ज्याका अधिमास क्षान अकालारिक व्यक्तिम ज्यामित्र व नायम् क्रिक रेल । क्रिक् अर्थ नार्ष कर् . व्यक्षिम प्राप्ति मायस्य मायस्य मिर्दाल जायमु कविल । अतिवाव धर्माय थाय एवं मुनिस अभाक अनुवाद कविद्वा पा किया काम अिविद्यानिक यहन करित नारम । अभाव प्रमुक्कांष 'इप्रवाचे नार्ज - नार्ज - नार्ज State Little पाली र्राइट ज्यादिसमं स्वा एउ थाल्से काषद्भाय त्राधिएक, धार्मीय ज्ञांध अभिष व्यानिक रिक्र । देखन व्याप्ति भ - अर् यार्थनिक इंगिक, क्लांक स्नाकारिक जावन काअशम आवसक आहि यानी स्रात कवि जारिष्ट । नाष्ट्रमाञ्चल ख्या नण्डक लादेकर जनम भूष्टिशायक यूनि realme C35

Pre-historie: बादिक्य एकमियामा झिंदि चिष्ट्रि न्मिम्य र्थ वर्जभानम । ध्रुव छ क्षित्रक द्विष्ठ आधीत काला लाएक अभूष्ट अश्चूल अव्याल बहिल दिनिह्न किसिट याहीन बिवलिस नाहक येरिलिस अप्रिक्ति अरक्षण नार्षक वका भारत । नक्ष लाचेत कालय -कामिरिंग क्षार्क क्राव्याम कापिरिंग आमिरिंग कामिरिंग न्यामा दील प्रमेशाय पादिक अल हिमाभय किरिन लिक लिक्सिंडा लामाह उर्व्हारिमांक सम्मिश्वा विदास्त्रात लिस माम , नेवा या ালায়ত বানত न्मारीयक खार्म मलना देशकला अकाश्मिक लाएकअभ्रथ मृदि आदिमार्ड याप्रमेक काला . कार्याप कार्य हार सहित कार्य कार्ति कार्य कापण आएक आरिमिक तेना दिग्राजाक entro outre बाह या विदिन किंदिय - एर नीक अश्मिक अन्य खाद या जानमा सिकाम किर्विष्ट्रेल । जापीय अपमुद्ध अभिष्ठ अभिष्ठ यम पूर्वल बाल्य कार्याहर आर्याव्य नेयावर नावपार्या स्प्रिं क्रि यात्रे रिक्त अिक्टिन विद्यानिक अर्बेट बीस्ट्रीयुँस टिक्टा करिवेर्डिस लाएम मानुद्र लाज्यक्षाय वाद यम्बा अ विरिध्य द्रीहारिक क्षिणिक , कार्यान कर्मा आ जिल्ला स्राप्ति अर्थ लिल लिल कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कुरारी के कार्य कार्य कार्य कार्य कराय - कार्य - कार्य -भीत किल्पिक स्पार्श्वेष । ज्यक अभन त्यासाव लिए लिए अर् वेक्नव तामित्राय रिनेमकीमा व्यक् अधि कार्म - क्रिय समा अ .कार्रिमाक्षक अथ अर्डिमार्टिक क्रियाकिया । व्यक्षभाउँमेळ उर्धाम्याम् उर्मिता विकास सामित कार्य हैंड निर्मा त्याद्वारिक अपने क्यावा क्यावाद्व अन्यात क्या नाम । अवस्वात्य realme Shot on realing C35 श्रुवेव अभर्षायाह

उभागि निया दिवत नादिक के दिशा हि हाना वृत्ति विविद्ध हुल क्रिया क्या वर्ण हिर लिया हम — स्थाय हुल , नाहक आ भ्रम् अबिमील अनव अवि जाय प्रिजीमिटी, नाहक लाय विमीम लाहाव बोर्किव आकृत ७७ : द्वाक अम्पर्क । अहिम्हिकार्यक किन्द्र अभ्यादित्वाहित स्पर्वेट नुमलेस काम् -क्लाम ; लाइ मी - एइमीक मुला झादेकब आबी कार्विक्रि क्रिकाक कार्य लाया क्रिंड करें केंद्रिक क्रिक्स विद्विता रमुक्त आये कामार कार्याहिम । कि कामार कार्य कार्य कार्य ालिस्य (माद्रमाप माप्या स्थि द्वाहिल । अर्थ नाप्टिका (अर्थे अभम् विश्व लिन क्रिल जाहिल । यूपिय किये कामीकवन कामिलिं। सम व्यक्तियादीक दिल क देशक नार् अभावित् लगारिल । उन्हें कि जारित् कालक दिंभी स क्यान्यान्त्रीत या र्वितियवनय क्रियां न्याय निवास के दूर्वि किरिया जीए व्यक्ति अर्थेशय किरिया । किर्द सम्मेशिक आनुश्यिलोकक अन्छ अम्म , आल , अकाष्ट क्लिलाशण्ड जारि एकत- खिल्लिन राज्य प्रकार प्राप्त कर्म कार्य कर्माव राज्य प्रम्ला कर्माव कर्माव राज्य कर्माव कर कर्माव कर् एउँ लाक्य अन् नामा एन - प्रियोप कन्म र'ता । आर अनिकास मुखा - विवि कापिय काप्यम होता । अिक किया माम म ज्यादेशिकशामिक कालावा नाकि क्षातिक किथि , किसे रामक्राममंत्र मारिया त्याद्ये प्राप्तिक कार्षिक नाहिल । नाढेकद अमान जादिनाि वाप्रक न्यामहोत अन्यक जिल्ली प्रिक येवनव - जाहिला । Vedic age: नाम्याव ट्यामिकामा कानुसार्य द्वितिक नामामहोत्व अंग्रेस - लामिश्र क्षेत्र । विश्वास कार्या समाहि अवस्थिता realme Shot on realme C35

अगिरेंग, कार्ल असि - ल्यारिकामित्र हिवलमेश्योभ क्ष्मिक कार्य दिलास्ति । अगीपरमक्षा , जिल्लाकारी- ज्यापि 2 4 20 (का निया FINALI - वाय (वर्ज-चारिभ 1 ma - majosdo Cod CHUM 21640 नामिति आर हार कार कार स्थाराह्य M- 91 AND 5 25 2020 'आहमा कार्यन ताका भूक क्षिक सम्मेल - OUT CM TOWER (SUPER दिनाद्वा यात्करायक (अउस्मार वाम जाम्ब 2002 कबा दिश्वा यत जुशक्य वर्तना क्या 1212 34/4 = नाष्क्रप्रशृष्ट् **क्राभक्ष** 0 (सम् क्षिक्ष क्षेत्रक व्यक्ष्मिकी 3434/6/1991 - जायः मीर्द्धा अरातव दार्य व्यायनिक लाखिल्यक (लिख (विकास नाधि आर्थिय MASMAI 601 न्त्रीयादिगत , टार्टिभरियक्ता याजा अध्याद्य SITTE 2121 2000 - (24) JENS RIPE M24 -कार्वा नार्ध आर्ड्जिय 4/6/6/ लकार दित मार्गन्यमञ ना दिया (18/1/NO भुक्ष सम्बद्ध अउमाज नादकव 2017 2 al AIR MAD Tala realme Ishot of realme 35 min

मि विक्रिक रिश्हिल ज्याक डाँछ प्यादिकअक्ल खुनीम चरेना अश्विद्धाक लामकाया कार्याहेल क्षिता कार्या अश्विक दिश्विका अर्ग कार्काह्न । तार्ष्णुमाध्रय विश्वां हेक्ट्र भ अभाक्ष वार्षे आहे. ज्यान सम्भेत साथी-क्षेत्र, दिए त्राक दिएव कार्य दलिक्त । काव जादमार्ग अर्थित दिम न्यार्ग्यम् लाहा कायात्रिक अन्याम वखेळ व आएएरिक्क, अन्म । त्याप्रमा निया देशके अभिने कार्यात कार्य तिप्रि कवा देशहिल रावे दिए (छ। क्रोरेशाय अधिकेंडा, शुरु कार्य कार्य अपमें म यक किम्नि विधि , यें कम - विष् भविभानि असिक्त कार्म यम, प्रियिलाक जिल्लिम ल्यानीय नाय । यत्र सिर्फ मार्चिणा अका माकिक- विविधिक, आदिष्ठभन उर्जाव वाधिमम्प सार निष्ये हैं विश्वास क्रियम अमुद्र मि, विषिक गुन्न असम्प्रियक येजन त्रवण द्वाणिक कवार्ष अञ्चल काश्रभस्य काविखा र् अभ्यक यादि नाएक जाएतम नक्षा यस । (अर्थ नाएकण यामिक कवा देशक्ति देग्छामकलक उभव हम्मावाय विक्र यगदिनी । अर्थे सम्माक निक्य रक्ता किमारिक अमिन ह्यामाण रेपण्डा प्रकलक या र रिक लाय जारितमें - निर्धित रीम हिन्ना स्विक् मुनिश्न अभाक काम्यादि किर्वाल भ कारितम याविवहिन निपिक्ट क्राविविविद्धाः यात्रका लाहरा। अभावे रिक्स्क्रिंग २५३१२ नार्षे भूके निमान क्रिक्त किलि किलिक क्रिक भन्न पाटक मप स्थामन 30 (4 3014 ल्यांभीरण सर्भंड. दल छाएक अविव डिम् माद्रिक निम तिरायकाराज मेरन भी कर्मियान realme Shot on realme C35

अमृश् व्यक्तिक कवा देशकृत । भावनर्जे भामांभक यद्धि आर्विते । वर्षाक्षे चाहीकाक लाके दिय निवाहिका अर्थन कर्निया कर्निया लिसियापस्त्रिक कामीडिक सर्विद्ध नाय विभाग नाई पर्मक अभावत आंवित अधित्वित विभिन्न मा अभिन Marg QU(7 Epie purante कार्मिक, देविषक युन अतिव व्यक्ति गाँउ के आदि रियम् अस्त्रिय कर्निय नाम्य स्थांबानिक Epie - puranie . जामाड अध्याविक द्वांबानिक मन वात्रामन, अवाहायक जासि अराकायक किया सम्मिता ना । स्वान ज्यापिक जाभागतक दक्क कार्य नाव्याव वार्ष देश्वेष । उठेप कार्यक कार्यक है सहित दियांचा पक नादिक डिब्लिश्रिक लिखानिक दारितार्थेख क्षेत्र कारायक मध्य-सूर्वको हादेनाक युक्ति ह , किन्तु येमार्वा किल्लाय करिये थाय्याषा भि अधितुर्विच्छ उद्भाव अरेक्टर द्याउ। प्रायाभ किर्य सम्मा व्यम्बर्ग नाह्म सम्भाव भीषा भ्रम्भ नुम्मान कविद्वित द्वापेता आया कवित्रय जात्नीकिकार्थ । लय- लिया आर्डिशा लामचा द्रीयमारिकामार्थ मिर्वाचन जिर्मावक कार्मिका । वर्षिय क्ष अवस्त्र असाक्षें — अधिववपय- त्य दिप्तिक स्थास्य सर्भंड. रिसर्व स्थास्य त्या हिल्ल लामीएमम्बर्धिय अधक केदिल ज्यामिन शिबानिक नाहिक्य कार्यितिवाद वर्ष्यक् आक अवीत्रिक बाम्रामन , क्षाशाह्यकक जातुनक ज्याहिल । ज्यायावनक रिप्रामायक अध वैस्थिलि किथ कार्ग में में के कमा वैद्या माम , বান্তব - অবান্তব , সোকৃত - ভাতিমাকৃত जारि अकल्म ज्यून हुँ भारक । त्रार्थिक क्षित्रे अभूति । त्रार्थिक क्षित्रे । त्रार्थिक क्षत्रे । त्रार्थिक क्षित्रे । त्रार्थिक क्षित्रे । त्रार्थिक क्षित्रे । त्रार्थिक क्षत्रे । त्रार्थिक क्षत्रे । त्रार्थिक क्षत्रे ।

जानम् नार्क मध्यम् मुन्य मुन्य सुमान , महाद्वा है (मानक मह नाम् जानम् नार्क सुमान जार्क सुमान , महाद्वा है (मानक मह नाम् जायम् स्था प्रमान जार्क सुमान हो । ज्युमान हा जार्क सुमान जार्क सुमान जार्क सुमान हो । ज्युमान हा जार्क सुमान जार्क सुमान जार्क सुमान हो । ज्युमान हा जार्क सुमान जार्क सुमान जार्क सुमान हो । ज्युमान हो । जार्क सुमान जार्क सुमान जार्क सुमान हो । ज्युमान हो । जार्क सुमान जार्क सुमान जार्क सुमान हो । जुमान हो । जुमान सुमान हो । जार्क सुमान हो । जुमान सुमान जार्क सुमान हो । जुमान सुमान हो । जार्क सुमान हो । जुमान सुमान जार्क सुमान हम्मान हो । जुमान सुमान हम्मान हम्म	
---	--